

12/1/22 पत्रावली प्राप्त। वकील पत्रकारान उपर। पत्रावलीवाले
जहादवा व अति कसक रिमांक 21/1/22 को पेश है।

21/1/22 पत्रावली प्राप्त। वकील पत्रकारान उपर। जहादवा व अति
कसक के जहाद हेतु अति कसक रिमांक पत्रावली के
31/1/23 को पेश है।

31/1/23 P.O. साहब दारे पर है। पत्रावली
आगामी कार्यवाही हेतु दिनांक
6-1-23 को पेश है।

6/1/23 पत्रावली प्राप्त। वकील पत्रकारान उपर। वादी मोवमल
लख अतिरिक्त। वादी व वकील वादी के अतिरिक्त है।
एक प्रार्थना पत्र पेश किया कि पत्रकारान के महम लोक
अदालत की भावना (आजस में राशी नामा के प्रकार है)
अब हम सुकदमा आगे नहीं चलाना चाहते। वाद विद्वान
कोता-वाहते है। या पत्र पत्र वादी व वकील वादी
को भुना गया। वाद सुनवाई प्रार्थना पत्र लीका किना
जाता है। तथा वाद विद्वान की अनुमति प्रदान की
जाती है। वादी का वाद विद्वान के आधार पर रसी
(ले पत्र कारिक किना जाता है) पत्रावली नम्बर (ले
कोन के कर दाखिल करता है)।

Handwritten signature and notes on the right side of the page.

उपस्थित वकीली
की. नम्बर (1/2)